भगवान हमारे कीर्तन में | By Sanjay Chauhan |

भगवान हमारे कीर्तन में,
जरा आकर दर्श दिखा जाना,
तेरी भक्ति के दीवानों पर,
जरा आकर प्रेम लुटा जाना।

कभी बंशी बजाते आ जाना,
कभी धनुष उठा के आ जाना,
तुम्हरे दर्शन के प्यासों की,
जरा आकर प्यास मिटा जाना।

तुम शेषनाग से उठकर के,
लक्ष्मी माँ को संग लेकर के,
अनजान भले ही बनकर के,
मंदिर में हमारे आ जाना।

गर राह में कहीं हम खो जाए,
हमसे कोई भूल भी हो जाए,
सब हमारी भूल भुलाकर के,
जरा अपने गले से लगा जाना।

चाहे भक्ति से अनजाने हैं,
लेकिन हम तुम्हारे दीवाने हैं,
अपने इन चाहने वालों के,
जरा आकर दुखड़े मिटा जाना।

भगवान हमारे कीर्तन में,
जरा आकर दर्श दिखा जाना,
तेरी भक्ति के दीवानों पर,
जरा आकर प्रेम लुटा जाना।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-sanjay-chauhan/